University in News on 25 February 2020

Amar Ujala- My City Page 5

बीएड प्रवेश परीक्षा के दिन नहीं होंगी विवि की परीक्षाएं

एलयू ने राज्य विश्वविद्यालयों से आठ अप्रैल को परीक्षा न कराने का किया अनुरोध

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से आठ अप्रैल को कराई जाने वाली बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा के दिन डिग्री स्तर की अन्य कोई परीक्षा नहीं होगी। बीएड समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेयी ने इसको लेकर सभी राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को पत्र लिखा है। बीएड की संयुक्त प्रवेश परीक्षा के लिए 12 फरवरी आवेदन प्रक्रिया शुरू है। आवेदन की अंतिम तारीख छह मार्च तथा विलंब शुल्क के साथ 11 मार्च निर्धारित की गई है।

बीएड समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि आवेदन फॉर्म भरने वाले काफी अभ्यर्थी आठ अप्रैल को अपने विवि में किसी अन्य विषय की परीक्षा होने की बात कह रहे हैं। इस वजह से काफी अभ्यर्थी आवेदन फॉर्म नहीं भर पा रहे हैं। लविवि में भी आठ अप्रैल को वार्षिक परीक्षा प्रस्तावित है। इसको देखते हुए लविवि के परीक्षा नियंत्रक से आठ अप्रैल के पेपर की परीक्षा आगे कराने के लिए कहा गया है। यह समस्या अन्य विश्वविद्यालयों में भी है। इसलिए कई कुलपतियों से इस संबंध में बात की गई है तथा पत्र भी लिखा गया है। कुलपतियों ने आठ अप्रैल को अपने यहां की परीक्षा आगे की तारीख में कराने की बात कही है। प्रवेश परीक्षा के लिए 11 मार्च तक आवेदन होने के बाद आठ अप्रैल को इसकी प्रवेश परीक्षा तथा 11 मई को रिजल्ट घोषित किया जाएगा। एक जून से इसकी काउंसलिंग प्रस्तावित है। प्रवेश परीक्षा के लिए सामान्य और अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 1500 रुपये तथा एससी-एसटी वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 750 रुपये फीस निर्धारित की गई है। सामान्य और अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए विलंब शुल्क की राशि 500 रुपये तथा एससी-एसटी वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 250 रुपये निर्धारित की गई है। प्रवेश परीक्षा प्रदेश के 15 शहरों में आयोजित होगी। पहली बार बीएड प्रवेश परीक्षा में वेब कैमरे से निगरानी होगी।

प्रवेश परीक्षा के लिए अब तक एक लाख 40 हजार पंजीकरण

प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए अब तक एक लाख 40 हजार पंजीकरण हो चुके हैं। बीएड के लिए प्रदेश भर मे करीब दो लाख सीटें हैं। यह संख्या बढ़ भी सकती है। विभिन्न विवि से प्राप्त सूचना के बाद सीट संख्या अपडेट की जाएगी।

अब सप्ताह में एक घंटे होगी 'स्टूडेंट ओपीडी'

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सभी शिक्षक सप्ताह में कम से कम एक घंटा सिर्फ विद्यार्थियों के लिए रखेंगे। इसे स्टूडेंट ओपीडी प्रोग्राम के नाम से जाना जाएगा। इस दौरान वे विद्यार्थियों की बात सुनेंगे तथा उन्हें सलाह भी देंगे। यह समय उनकी सामान्य क्लास के अलावा होगा। लविवि की अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने इसको लेकर सभी विभागों को पत्र जारी कर दिया है। लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शिक्षकों के साथ संवाद में इसकी मंशा जाहिर की थी। इसके बाद यह निर्देश जारी किया गया है। प्रो. टंडन की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि सभी शिक्षकों का सप्ताह में कम से कम एक घंटा इस काम के लिए तय करना होगा। विभाग के नोटिस बोर्ड पर इसकी समय सारिणी जारी की जाएगी। जिस विभाग में छह से ज्यादा शिक्षक हैं, वहां एक दिन में एक से अधिक ओपीडी हो सकती हैं। जबकि छह या इससे कम शिक्षकों वाले विभाग में शिक्षकों की संख्या के बराबर ओपीडी चलेगी। इस ओपीडी में शिक्षकों की जिम्मेदारी होगी कि वे विद्यार्थियों को प्रेरित करें तथा उनकी समस्याओं का समाधान करें।

मोमेंटो पर अंकित होंगी छात्रों की कलाकृतियां

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के फाइन आर्ट संकाय के विद्यार्थियों की कलाकृतियां अब विवि के विभिन्न समारोह में दिए जाने वाले मोमेंटो पर अंकित होंगी। विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। जिन विद्यार्थियों की कलाकृतियां मोमेंटो के लिए चुनी जाएंगी उन्हें विवि की ओर से पारिश्रमिक भी दिया जाएगा।

एलयू वीसी ने दिया निर्देश, फाइन आर्ट के छात्रों को इन कलाकृतियों के लिए पारिश्रमिक मिलेगा

लविवि कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने इसका आदेश जारी कर दिया है। डॉ. सिंह के अनुसार फाइन आर्ट्स विभाग के विद्यार्थी फोटोग्राफी, विडियोग्राफी के साथ ही ऐसी कलाओं का प्रशिक्षण लेते हैं जो मोमेंटो पर उपयोग की जा सकती हैं। इसलिए कुलपति ने मोमेंटो पर इनका उपयोग करने का निर्देश दिया है। इस तरह से मोमेंटो पर लविवि की कलाकृतियां होंगी और विद्यार्थियों को आर्थिक लाभ भी हो जाएगा।

NBT Page 7

रोजाना एक घंटे की 'स्टूडेंट ओपीडी'

एलयू ने हर शिक्षक से सप्ताह में एक घंटे का समय विद्यार्थियों की समस्याओं को दूर करने के लिए मांगा

■ एनबीटी, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) में छात्रों की समस्याओं को दूर करने के लिए जल्द ही अवर फ्रीयूल्स डे (ओपीडी) मनाया जाएगा। इसके लिए हर विभाग के शिक्षक को सप्ताह में एक दिन एक घंटे का समय स्टूडेंट्स को देना होगा। इस दिन संबंधित शिक्षक छात्रों की समस्या सुनकर उसका समाधान करेंगे। इसके लिए विवि प्रशासन ने सभी विभागों को पत्र जारी कर शिक्षकों का एक-एक घंटे का शेड्यूल मांगा गया है। विभाग अपने शिक्षकों से उनके समय के अनुसार एक सूची तैयार कर 28 फरवरी को विवि प्रशासन को भेजेंगे।

> विवि प्रशासन ने पत्र जारी कर 28 तक सभी विभागों से मांगी शिक्षकों की सूची

डीन स्टूडेन्ट वेल्फेयर (डीएसडब्ल्यू) पूनम टंडन ने सभी विभागों को सोमवार को पत्र जारी कर हर विभाग से शिक्षकों की सूची मांगी है। उन्होंने बताया कि 'स्टूडेंट ओपीडी' के लिए विभाग का प्रत्येक शिक्षक हफ्ते में एक घंटा छात्रों के लिए निकालेगा। शिक्षक का ये समय केवल छात्र के लिए ही होगा और कोई भी दूसरा काम शिक्षक इस दौरान नहीं करेंगे। उन्होंने बताया कि ओपीडी टाइमिंग मांगने के लिए विभागों को पत्र भेजा गया है। जैसे ही विभागों से लिस्ट मिलेगी स्टूडेंट्स ओपीडी को लॉन्च कर दिया जाएगा।

हर दिन अलग शिक्षक की ओपीडी

शिक्षक द्वारा दिए तय दिन और समय पर छात्र अकैडमिक से लेकर अन्य समस्याओं तक उनके समक्ष रख सकेंगे। प्रत्येक शिक्षक की ओपीडी का शेड्यूल उनके कमरे के बाहर एक तख्ते पर लगाई जाएगी। इससे छात्रों को पढ़ाई में आने वाली दिक्कतों को शिक्षक से पूछने के लिए विभाग में भटकना नहीं पड़ेगा। पूनम टंडन ने बताया कि हर दिन अलग शिक्षक की ओपीडी होगी, जिससे छात्र अपनी समस्या संबंधित शिक्षक के समक्ष उस दिन रख सकेगा।

ओपीडी टाइमिंग ऑनलाइन भी देख सकेंगे स्टूडेंट्स

स्टूडेंट ओपीडी का शेड्यूल ऑनलाइन अपलोड करने का भी विचार लविवि प्रशासन कर रहा है। जिससे छात्र विवि की वेबसाइट पर संबंधित शिक्षक की ओपीडी का शेड्यूल देख सकेंगे।

विभागों को ये भी निर्देश

- ओपीडी शेड्यूल को विभाग के नोटिस बोर्ड के अलावा विवि की विभागीय वेबसाइट पर भी अपलोड करना होगा।
- विभागों के छह या उससे ज्यादा शिक्षक अपनी एक घंटे की ओपीडी का शेड्यूल जारी कर सकते हैं।
- जिन विभागों में छह से कम शिक्षक होंगे, उनकी ओपीडी के दिन शिक्षकों की संख्या के मुताबिक होंगे।

गर्भ संस्कार देगा एलयू!

■ एनबीटी, लखनऊ : गर्भ संस्कार क्या होता है? गर्भावस्था में किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? गर्भवती होने के दौरान रखी जाने वाली सावधानियों समेत अन्य बातों की जानकारी के लिए लविवि में जल्द ही गर्भ संस्कार से जुड़े पाठ्यक्रम शुरू होंगे। कुलाधिपति के प्रस्ताव पर लविवि में सोमवार को पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए बैठक बुलाई गई। इसमें लविवि प्रशासन के साथ ही केजीएमयू और भातखंडे की कुलपति व केंद्र सरकार के प्रतिनिधि शामिल हुए। इसमें गर्भ संस्कार पर चार वैल्यू एडेड क्रेडिट कोर्स शुरू करने पर विचार विमर्श हुआ। जानकारी के अनुसार जल्द ही कोर्स शुरू किए जाने की उम्मीद है।

केजीएमयू, भातखंडे और केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों संग हुई बैठक में लिया गया फैसला

कई संस्थाओं से होगा एमओयू

लविवि कोर्स शुरू करने को लेकर केजीएमयू, भातखंडे सहित कई संस्थाओं से एमओयू कर सकता है। इसके साथ ही यूनिसेफ और मातृत्व के साथ ही एनजीओ की मदद भी ली जा सकती है। कुलपति प्रो आलोक राय के अनुसार गृह विभाग या इंस्टिट्यूट ऑफ यूमेन विभाग में नोडल सेंटर बनाया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार 'संस्कारित अंकुर', 'कजीवान मातृत्व', 'उज्जवल बचपन' और 'समृद्ध राष्ट्र' के नाम से कोर्स शुरू किए जा सकते हैं। बैठक में केजीएमयू के वीसी प्रो. एमएलबी भट्ट, भातखंडे सम विश्वविद्यालय की वीसी प्रो. श्रुति सिरोलीकर, केजीएमयू के प्रो. विनोद जैन, डॉ. संदीप तिवारी, डॉ. अमिता पांडे, राजभवन की महिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. गीता चौधरी, बाल विकास पुष्टाहार के जिला परियोजना अधिकारी अखिलेन्द्र दुबे, लविवि में एनएनएस के समन्वयक डॉ. राकेश द्विवेदी, मनोविज्ञान विभाग के प्रो. पीसी मिश्रा, गृह विज्ञान की डॉ. मीग सिंह, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के डॉ. अमरजीत यादव एवं संस्कृत विभाग के डॉ. पीएन मिश्रा मौजूद रहे।

एनएलएपी 2020 एमबीए विभाग में कल

■ एनबीटी, लखनऊ : एलयू के एमबीए विभाग में 26 फरवरी को नेशनल स्मॉल इंडस्ट्री कॉरपोरेशन लिमिटेड के सहयोग से नेशनल लेवल अवेयरनेस प्रोग्राम (एनएलएपी 2020) का आयोजन होगा। यह कार्यक्रम विभाग में दोपहर दो बजे शुरू होगा।

सुभाष हॉस्टल के प्रोवोस्ट असिस्टेंट प्रोवोस्ट बदले

■ एनबीटी, लखनऊ : एलयू के केमिस्ट्री विभाग प्रो. एनके सिंह को सुभाष हॉस्टल का प्रोवोस्ट बनाया गया है। इसके अलावा फूड टेक्नॉलजी के डॉ. विज्यानंद को सुभाष हॉल के असिस्टेंट प्रोवोस्ट के पद पर तैनात किया गया है। यह जानकारी कुलसचिव ने दी।

ललित संकाय के छात्रों की मांगी मदद

■ एनबीटी, लखनऊ : एलयू के कुलसचिव विनोद कुमार सिंह ने ललित कला संकाय के छात्र-छात्राओं की मदद को लेकर निदेशक आईपीपीआर (होमॉमैरेन पब्लिक ऐंड पब्लिक रिलेशन) को पत्र लिखा है। इसमें लविवि में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में होने वाले फोटोग्राफ और मोमेंटो के लिए कला संकाय के छात्रों की मदद लेने का आग्रह किया गया है। जिससे यहां के छात्रों को पारिश्रमिक भी मिल सकेगा।

कुलपति, कुलसचिव का होगा अभिनंदन

■ एनबीटी, लखनऊ : लविवि का कर्मचारी परिषद नवनियुक्त कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह और कुलपति प्रो. आलोक राय के स्वागत की तैयारी कर रहा है। इसके लिए मालवीय सभागार में 29 फरवरी को अभिनंदन समारोह आयोजित होगा। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक डॉ. नीरज बोरा, कार्य परिषद सदस्य अनिल सिंह, प्रो. एसके द्विवेदी, नीरज सिंह व अन्य मौजूद रहेंगे।

विश्वविद्यालय में आयोजित भारतीय भाषा महोत्सव का समापन

'माध्यमिक स्तर तक मातृभाषा में दी जाए शिक्षा'

■ एनबीटी, लखनऊ : उप्र भाषा संस्थान, हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग की तरफ से लविवि में आयोजित भारतीय भाषा महोत्सव का सोमवार को समापन हो गया। लविवि के सहयोग से आयोजित महोत्सव के अंतिम दिन महिलाओं, दलित एवं जनजाति के साथ-साथ दिव्यांग, किन्नर, वरिष्ठ नागरिक, श्रमवारी और विस्थापितों पर स्वस्थ लेखन को लेकर चर्चा हुई।

आधुनिक भारतीय भाषा विभाग के अध्यक्ष प्रो. योगेंद्र प्रताप सिंह ने 'पाठ्यक्रम को मातृभाषा खासतौर पर माध्यमिक तक के विद्यार्थियों को मातृभाषा में शिक्षा देने की बात कही। इसके साथ ही हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने का भी आग्रह किया। तीसरे और अंतिम दिन 24 सत्र हुए। भाषा प्रौद्योगिकी सत्र के तहत शब्दकोश, इंटरनेट और सोशल मीडिया पर चर्चा हुई। ज्ञान और विज्ञान लेखन पर दो गोष्ठियां हुईं। शिक्षण माध्यम के रूप में भारतीय भाषाओं को तैयार करने, हिंदी की महत्वपूर्ण संस्थाओं, भारतीय साहित्य की मांग, राष्ट्रीय संस्कृति की अवधारणा और लोक साहित्य के अलग-अलग रूपों पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा समकालीन कविता, समकालीन कहानी, समकालीन नाट्य लेखन पर विद्वानों ने शोध समीक्षा की गुणवत्ता पर जोर दिया।

इनका हुआ सम्मान : इंडोनेशिया से आए अगस्त इंद्राउत्यन, नेपाल से आए प्रो. मंगला प्रसाद गुरु, प्रयागराज से आईं यासमीन सुल्ताना, नॉर्वे से आए सुरेश चन्द्र शुक्ल, कालीकट से आए प्रो. जी गोपीनाथन को साहित्य में योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित, प्रो. त्रिभुवन नाथ शुक्ल, डॉ. मीना कौल, प्रो. जयप्रकाश, प्रो. मानवेन्द्र, प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. राजनारायण शुक्ल, प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह, प्रो. जी गोपीनाथन, श्रुति शिरोडकर ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में देशभर के 50 से अधिक विश्वविद्यालयों से आए मेहमानों के साथ ही 15 प्रदेशों के साहित्यकार, पत्रकार, शोधार्थी भी शामिल हुए।

किताबों का विमोचन

डॉ. सतेन्द्र कुमार दुबे की किताब 'हिन्दी कविता का समयान्तर' और 'मन डूब गया' का विमोचन हुआ। इसके साथ ही डॉ. बीना रानी गुप्ता की 'शोध प्रविधि के विविध आयाम' तथा धन सिंह मेहता अनजान के कहानी संग्रह 'भरोसे के लोग' का भी विमोचन हुआ।